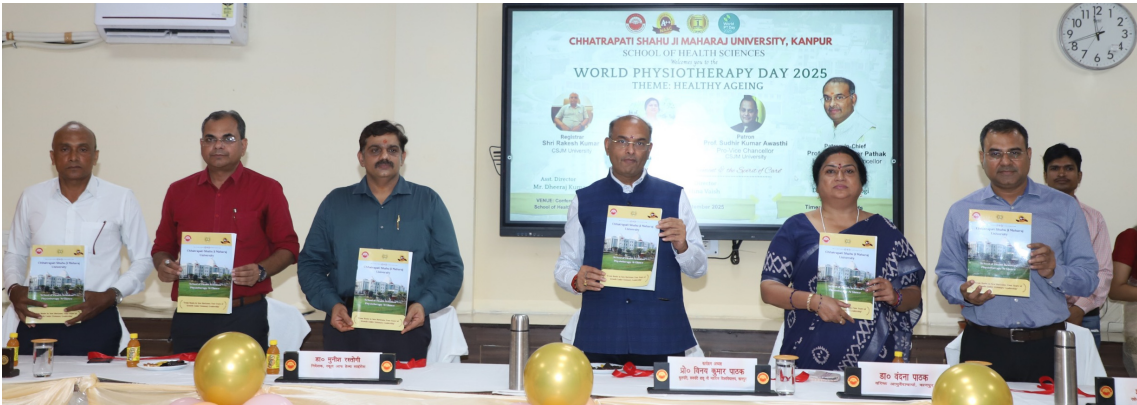


‘ए.आई. के प्रयोग एवं नवाचार से रोगों के उपचार का कौशल बढ़ाएं’ सीएसजेएमयू के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस धूमधाम से मनाया गया

कानपुर। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्या डा. वन्दना पाठक, फिजियोकॉम्पनी क्लीनिक के डायरेक्टर डा० मनजीत कुमार, संस्थान के निदेशक डा० मुनीश रस्तोगी, एसो० डीन प्रशासन डा० दिग्विजय शर्मा, एसो० निदेशक आई.क्यू.ए.सी. डा० प्रवीन कटियार ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता के चित्रों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं सभी शिक्षकगणों को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस की बधाई देते हुए कहा निश्चित ही संस्थान ने पिछले दिनों में उल्लेखनीय प्रगति की है परंतु किसी भी संस्थान की प्रगति तभी स्थिर रह सकती है जब वह निश्चित स्तर पर होने



वाली चुनौतियों के लिए तैयार हो। उन्होंने बताया कि हम ए.आई. के प्रयोग एवं नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र को प्रबंधित कर सकते हैं एवं उन्हें अपने रोगों के उपचार का कौशल को बढ़ाने में एक उल्लेखनीय प्रगति हासिल कर सकते हैं। हमें समाज में फिजियो से संबंधित समस्याओं के उपचार एवं रोकथाम हेतु सप्ताह में एक दिन अलग-अलग क्षेत्रों

में जाकर निःशुल्क कैम्प लगाना चाहिए। संस्थान ने शिक्षा सुविधा के साथ-साथ जनकल्याण हेतु संचालित ओ.पी.डी. द्वारा अनेकों मरीजों को बेहतर जीवन यापन देने में मील का पत्थर साबित हुई है। संस्थान के ओ.पी.डी. में प्रतिदिन अनेकों रोगी देखे जाते हैं।

वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्या डा. वंदना पाठक ने इस

अवसर पर आयोजित रंगोली, रील्स और पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि प्रतिभागियों द्वारा बहुत ही वैज्ञानिक तरीके से प्रस्तुति दी है उन्होंने कहा रोजमर्रा की जिंदगी में फिजियोथेरेपी का अहम योगदान है और मांशपेशियों से जुड़ी समस्याओं में अत्यधिक प्रभावशाली है। मुख्य वक्ता के तौर पर

डा.मनजीत कुमार ने बताया कि इस वर्ष की थीम “हेल्दी एजिंग” है उन्होंने कहा कि उम्र बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन इसे स्वस्थ और सक्रिय तरीके से जीना चाहिए। संस्थान के निदेशक डा० मुनीश रस्तोगी जी ने सम्मानित अतिथियों का संस्थान की ओर से हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करते हुए कहा कि आज के इस पुनीत अवसर पर कुलपति व वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक एवं मुख्य वक्ता डा० मनजीत कुमार की गरिमामयी उपस्थिति से संस्थान गौरान्वित है। संस्थान के लिए बहुत ही गर्व का विषय है कि जब से कुलपति का आगमन विश्वविद्यालय में हुआ है, विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक और सर्वांगीण विकास में संस्थान ने अहम योगदान प्रदान किया है। संस्थान की सहायक निदेशिका डा० हिना वैश्य, सहायक निदेशक धीरज कुमार, वरिष्ठ शिक्षिका डा. वर्षा प्रसाद, नेहा शुक्ला चन्द्रशेखर कुमार, डा० आदर्श कुमार श्रीवास्तव वीरेंद्र कुमार मौर्य आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

फोटोग्राफी से कानपुर की धरोहर को दिखाया



लेंस एंड लेगेसी फोटोग्राफी कार्यक्रम

कानपुर। 40वें दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत हॉबी क्लब काउंसिल द्वारा दिनांक 8 सितम्बर 2025 को “लेंस एंड लेगेसी” फोटोग्राफी कार्यक्रम का आयोजन सीनेट हॉल में किया गया।

इस कार्यक्रम का विषय “कानपुर की धरोहर” रहा। यह कार्यक्रम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से तथा

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के संरक्षण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ विशाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निर्णायक मण्डल में प्रशांत श्रीवास्तव एवं वत्सला सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ ममता तिवारी (हॉबी क्लब संयोजक) एवं डॉ अभिषेक मिश्रा (उप-संयोजक) ने किया। इसमें हॉबी क्लब काउंसिल एवं छात्र परिषद के सभी पदाधिकारी

सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से कुल 66 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया और अपनी फोटोग्राफी कला के माध्यम से कानपुर की समृद्ध धरोहर को अभिव्यक्त किया। परिणाम घोषणा में प्रथम स्थान – कुशाग्र, द्वितीय स्थान – विशाल तथा तृतीय स्थान – तरुण ने प्राप्त किया। यह आयोजन छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता और उत्साह का सुंदर उदाहरण रहा तथा दीक्षांत सप्ताह का एक यादगार आकर्षण बना।

फार्मेसी विभाग को मिली एनआईआरएफ रैंकिंग

उपलब्धि

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग ने एक बार फिर अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज कराई है। हाल ही में जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को 101 - 125 रैंक बैंड में स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता का भी परिचय दिया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एनआईआरएफ में स्थान प्राप्त करना विभाग की कठोर मेहनत, उच्च स्तरीय शिक्षण व्यवस्था और अनुसंधान कार्यों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि फार्मेसी विभाग न केवल शैक्षिक

क्षेत्र में, बल्कि अनुसंधान और नवाचार में भी अपनी विशेष पहचान बना चुका है। यही कारण है कि सीएसजेएमयू के फार्मेसी विभाग की ख्याति राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बढ़ रही है। प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह सफलता केवल अध्यापकों और शोधार्थियों की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के परिश्रम और संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। विभाग की ओर से समय-समय पर नई शोध परियोजनाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्योग से जुड़ी गतिविधियां और प्रयोगात्मक कार्य किए जाते रहे हैं।

इन्हीं प्रयासों ने विश्वविद्यालय को यह मुकाम दिलाया है। उल्लेखनीय है कि फार्मेसी विभाग का लगातार दूसरा वर्ष है जब उसे राष्ट्रीय स्तर की इस रैंकिंग में स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं विभाग के अंतर्गत हो रहे अनुसंधान न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि समाज को नई दिशा दे रहे है।

कार्यशाला **प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 30 नवंबर तक संचालित होगा, इसमें विद्यार्थियों को गतिविधियों में शामिल कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा**

कम्युनिकेटिव इंग्लिश का कोर्स अत्यंत लाभकारी : कुलपति

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ द्वारा कम्युनिकेटिव इंग्लिश का प्रमाणपत्र कोर्स प्रारंभ किया गया है। यह कोर्स 1 सितंबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से 5 बजे तक संचालित होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में शुरू किए गए इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं व्यावसायिक वातावरण में सफलता प्राप्त करने के लिए सक्षम बनाना है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि आज के वैश्वीकरण के दौर में अंग्रेजी भाषा का



ज्ञान केवल शैक्षणिक सफलता के लिए ही नहीं, बल्कि रोजगार और करियर के नए अवसरों के द्वार खोलने में भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में कम्युनिकेटिव

इंग्लिश का यह कोर्स विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

कोर्स की विशेषताएं : कोर्स का संचालन

विशेषज्ञ प्रशिक्षक कर रहे हैं। इसमें विद्यार्थियों को न केवल अंग्रेजी बोलने और लिखने की तकनीकों पर काम कराया जा रहा है बल्कि उच्चारण, संवाद

कला, समूह चर्चा और इंटरव्यू की तैयारी जैसे पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। कोर्स की कुल फीस मात्र 1500 रुपये (संपूर्ण) निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण पूरी तरह से ऑफ़लाइन मोड में, विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ में आयोजित की जा रही है। समन्वयक डॉ. दीक्षा शुक्ला ने बताया कि इस कोर्स से जुड़ने वाले विद्यार्थी अंग्रेजी बोलने में सुधार करेंगे और अपने व्यक्तित्व और करियर के प्रति भी अधिक आत्मविश्वासी बनेंगे।

सीएसजेएमयू में हुआ पोषण मूल्यांकन शिविर का आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज ने विश्वविद्यालय छात्रावास के सहयोग से राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2025 के अवसर पर पोषण मूल्यांकन शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह शिविर एक से सात सितंबर 2025 तक चला, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के छात्रावासों में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से छात्रों के पोषण स्तर की जांच की गई।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों के स्वास्थ्य और जीवनशैली का मूल्यांकन करना तथा उन्हें संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व से अवगत कराना था। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विशेष विषय है – “सही खानपान से बेहतर जीवन”। इस विषय के अंतर्गत विद्यार्थियों को न केवल पोषण संबंधी जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें यह भी सिखाया गया कि किस प्रकार साधारण आहार में छोटे-छोटे परिवर्तन लाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जा सकती है। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का स्वास्थ्य



जांचा तथा उन्हें संतुलित आहार चार्ट भी प्रदान किया। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार शिविर में छात्रों का वजन, लंबाई, बीएमआई आदि की जांच कर यह सुनिश्चित किया गया कि उनका पोषण स्तर सही है या नहीं।

साथ ही छात्रों को आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर आहार की अहमियत समझाई गयी। संचालन और देखरेख विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. मुनिश रस्तोगी कर रहे थे, जबकि डॉ.

अनामिका दीक्षित एवं डॉ. आमना जैद (मानव पोषण विभाग) ने इसमें सक्रिय भूमिका निभाई।

इसके अलावा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों एवं शोधार्थियों को भी आयोजन से जोड़ा गया ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं तक इसका लाभ पहुंच सके। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि ऐसे शिविरों से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। खासतौर पर उन छात्रों को लाभ होगा जो हॉस्टल में रहते हैं।

सर्वाइकल कैंसर का मिलेगा निशुल्क टीकाकरण



कानपुर। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता बढ़ाने और आवश्यक टीकाकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परमहंस राम मंगल दास वीएम इंटर कॉलेज, सवायजपुर ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। कॉलेज परिसर में एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं और महिलाओं को कैंसर से बचाव हेतु टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यह था कि अधिक से अधिक छात्राओं और महिलाओं को इस अभियान में भाग लेने और समय रहते टीकाकरण कराकर

स्वयं को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करना। कार्यक्रम में आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने उपस्थित छात्राओं व शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण करवाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लड़कियों से अपील की कि वे अपने परिवार और आसपास की महिलाओं को भी इस टीकाकरण के लिए जागरूक करें। अब तक 100 छात्राओं ने टीका लगवाने के लिए पंजीकरण कराया है। इसके साथ ही यह प्रयास किया जा रहा है कि अन्य छात्राओं को भी इसमें शामिल किया जाए

ताकि अभियान का दायरा बढ़ाया जा सके। इस अभियान के तहत छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय से जुड़े विद्यालयों की छात्राओं के लिए निःशुल्क टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर कई छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था और टीकाकरण अभियान से जुड़ने की सहमति दी। आयोजकों ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में और भी विद्यालयों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा, ताकि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़कियों और महिलाओं को सुरक्षा मिल सके।

भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने समाज सेवा के लिए किया प्रेरित

कानपुर। शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दीक्षोत्सव 2025 के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था समाज सेवा क्यों करनी चाहिए? जो आज के समय में अत्यधिक प्रासंगिक है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की भाषा विद्यापीठ से डॉ॰ श्री प्रकाश और डॉ. सोनाली मौर्या उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि गोरे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और डॉ. तनुजा भट्ट तथा डॉ. रत्नार्थुः मिश्रा ने संयोजन किया। अध्यक्ष डॉ. रश्मि गोरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा न केवल समाज के लिए बल्कि व्यक्तित्व विकास



के लिए भी आवश्यक है और उन्होंने विद्यार्थियों को समाजिक उत्कृष्टता की ओर प्रेरित किया। इस

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर और अन्य महाविद्यालयों से कुल 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप का किया गया आयोजन

कानपुर। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं भाषा संकाय के निदेशक डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में स्कूल ऑफ लैंग्वेज ने कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एक व्यक्तित्व विकास कार्यशाला आयोजित की। इस पहल का उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व को निखारना, संवाद कौशल को मजबूत और सशक्त बनाना, व्यक्तित्व विकास से संबंधित कौशल का संवर्धन करना तथा उनमें आत्मविश्वास का संचार करना था।

इस कार्यशाला में शहर के प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र ने भाग लिया कार्यशाला का संचालन यूनिवर्सिटी ऑफ वारसा से अर्थशास्त्र में पीएचडी और एनपीटीईएल, आईआईटी कानपुर में सीनियर

प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ. अंगना सेन गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सुमना और डॉ. रिचा शुक्ला ने किया। डॉ. अंगना सेन गुप्ता ने कार्यशाला की शुरुआत अत्यंत उत्साह के साथ की, जो छात्रों की सक्रिय भागीदारी में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उन्होंने छात्रों को विभिन्न विद्यालयों के मिश्रित समूहों में बांटकर वाद-विवाद तैयार करने का कार्य दिया। इस गतिविधि के माध्यम से छात्रों के विभिन्न व्यक्तित्व गुण उजागर हुए और उन्हें आत्मविश्वास एवं मूल्यवान अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने भाषा में उच्चारण के महत्व तथा आत्मविश्वास के महत्व को अच्छे व्यक्तित्व के लिए आवश्यक बताया। कार्यशाला में स्कूल ऑफ लैंग्वेज के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे।



एलुमनी टॉक में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में 40वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में एलुमनी टॉक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फाइन आर्ट्स की पुरातन छात्रा हर्षिता शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं।

विद्यार्थियों को फाइन आर्ट्स में रोजगार के विविध विकल्पों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने अब तक हजारों विद्यार्थियों को पथर पर चित्रकारी की विधा में प्रशिक्षित कर चुकी हैं। साथ ही उन्होंने इसे रोजगार के रूप में अपनाया है और इसमें आय के साथ साथ लोकप्रियता भी हासिल कर रही हैं। साथ ही संगीत विभाग के पुरातन छात्र

■ सीएसजेएमयू के फाइन आर्ट्स की पुरातन छात्रा हर्षिता शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं
■ संगीत विभाग के पुरातन छात्र सतीश कुमार ने विद्यार्थियों को गायन की बारीकियों के बारे में विस्तार से बताया

सतीश कुमार (शास्त्रीय गायक) भी अतिथि के रूप में संगीत के विद्यार्थियों को गायन की बारीकियों एवं इसमें रोजगार के अवसर के बारे में विस्तार से बताया।

अतिथि का स्वागत विभाग प्रभारी डॉ राज कुमार सिंह ने अंगवस्त्र एवं तुलसी पादप देकर किया। अतिथियों का परिचय विभागीय एलुमनी कॉर्डिनेटर डॉ. मिठाई लाल ने दिया, धन्यवाद डॉ. रिचा मिश्रा ने दिया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

है। हर्षित रमन द्वितीय स्थान पर रहे जिन्होंने कहा कि समाज सेवा को ईश्वर सेवा तुल्य कहा जा सकता है। सुनीता जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि समाज में रहकर किसी चीज का दिखावा करना समाज सेवा नहीं है समाज सेवा के लिए इच्छा शक्ति होना आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन डॉ. रत्नार्थुः मिश्रा के उद्बोधन और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिन्होंने छात्रों को समाज सेवा अपनाने की प्रेरणा दी।

इस आयोजन ने विद्यार्थियों को समाज सेवा के महत्व और उसके विभिन्न आयामों से अवगत कराया और यह एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया कि समाज सेवा आज की जरूरत है और कल का भविष्य है।

रिहर्सल में दिखी दीक्षांत समारोह की झलक

तैयारी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के 40वें दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर मंगलवार को रिहर्सल किया गया। इस मौके पर शोभायात्रा निकाली गई और मंच के कार्यक्रमों का अभ्यास किया गया। रिहर्सल के मौके पर विश्वविद्यालयों के शिक्षक अलग-अलग भूमिका में दिखायी दिए।

खुद कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक प्रशासनिक एवं अकादमिक अधिकारियों संग दीक्षांत की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे रहे। रिहर्सल में कुलाधिपति की भूमिका डीन अकादमिक प्रो. वृष्टि मित्रा ने निभाई, जबकि कुलपति की भूमिका में प्रोफेसर अंशु यादव नजर आईं। कुलसचिव राकेश कुमार ने पदक विजेताओं के नाम पुकारे और उन्हें मंच पर बुलाकर सम्मानित करने का अभ्यास किया। इसके साथ ही शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इसके बाद मेधावी विद्यार्थियों को पदक, डिग्री और अंकतालिका प्रदान की गई। डॉ. अंशु



यादव ने इस अवसर पर जाहिदा अमीन को डी.लिट. की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित करने का रिहर्सल किया।

रिहर्सल के दौरान दीक्षांत समारोह की समूची झलक दिखाई दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

विनय कुमार पाठक और प्रति कुलपति प्रो. सुधीर अवस्थी रिहर्सल के दौरान मौजूद रहे। कुलपति प्रो. पाठक ने संपूर्ण तैयारियों का जायजा लिया और समारोह को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम का

संचालन डॉ. रत्नार्थु मिश्रा ने किया। **सुबह 9 बजे से होगा दीक्षांत समारोह** : दीक्षांत समारोह बुधवार को सुबह 9 बजे से शुरू होगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम में

उनके उद्बोधन का सजीव प्रसारण विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के सभी ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी समारोह का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सुकन्या का साहस

बोधकथा

पौराणिक समय में शर्याति नामक एक राजा हुए है, जो वैवस्त मनु के दस पुत्रों में से एक थे। एक बार राजा शर्याति अपने परिजनों के साथ वन भ्रमण कर रहे थे। दोपहर होने को आया था और दिन भर घूमते-घामते सब थक चुके थे। राजा सहित सभी लोग जलपान करने के लिए एक सरोवर के निकट पहुंचे। सभी लोग जलपान करके विश्राम करने लगे, लेकिन नई जगह पर बच्चों को चैन कहां आता है। बच्चे खेलकूद और मनोविनोद में लगे थे। खेलते-खेलते राजकन्या सुकन्या ने देखा कि मिट्टी के एक ढेर के नीचे दो मणियों सी चमकती कोई वस्तुएं हैं। देखते ही वह उन्हें निकालने के लिए आतुर हो उठी। कहीं से एक लकड़ी लाई और उन्हें निकालने की कोशिश की। लेकिन जैसे ही उसने लकड़ी डाली दोनों ही चमकती हुई वस्तुएं बुझ गईं। यह देखकर सुकन्या को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह दौड़कर अपने पिता के पास गई और पूरी बात बताई। जब राजा शर्याति आए और उन्होंने देखा तो उनके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। वे बहुत ही दुखी भी हुए क्योंकि उस मिट्टी के ढेर के नीचे ऋषि च्यवन तपस्या कर रहे थे और सुकन्या ने अनजाने में उनकी दोनों

आंखें फोड़ दी थी। राजा ने देखा कि महर्षि के नेत्रों से खून बह रहा है और वह अंधे हो चुके थे, समाधी टूट चुकी थी। सुकन्या अनजाने में हुई इस गलती के लिए आत्मग्लानि से भर उठी। वह जानती थी कि पाप की मुक्ति केवल उपयुक्त प्रायश्चित्त से ही की जा सकती है। वह एक राजकन्या थी और अच्छे से जानती थी कि “**कायरता क्षमा मांगती है और वीरता क्षतिपूर्ति करने को तत्पर रहती है।**” उसने अपने अपराध को समझते हुए घोषणा की कि “मैं आज से ही आजीवन इनकी धर्मपत्नी बनकर इनकी सेवा करूंगी। यही मेरे पाप का प्रायश्चित्त है।” सुकन्या की इस घोषणा ने उसके गौरव को कई गुना बढ़ा दिया। देवता भी उसके साहस पूर्ण अपूर्व त्याग और बलिदान की स्तुति करने लगे। उसके पिता का सिर भी गर्व से उठ गया और हृदय में विषाद की जगह हर्ष ने ले ली।

दोनों का विवाह हो गया। च्यवन ऋषि को अपना पति मानकर सुकन्या दिनरात उनकी सेवा में जुट गईं। सुकन्या के धैर्य और साधना से प्रसन्न होकर अश्विनीकुमारों ने च्यवन ऋषि को अन्धता से मुक्त करके फिर से युवा बना दिया। इस तरह सुकन्या ने साहस, धैर्य और भक्तिपूर्वक अपने जीवन को सार्थक कर लिया।

सामाजिक व व्यवहारिक परिवर्तन पर कार्यशाला

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ आर्ट्स ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज तथा आईक्यूएसी के तत्वावधान में एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन सोशल एंड बिहेवियर चेंज का सफल आयोजन किया, जिसका नेतृत्व संकायाध्यक्ष प्रो. संदीप कुमार सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए जिनमें विटामिन एंजल्स ऑस्ट्रेलिया की एसबीसी विशेषज्ञ ऐलिस एटकिंस और डॉ. आशुतोष मिश्रा वरिष्ठ क्षेत्रीय तकनीकी निदेशक (एशिया) विटामिन एंजल्स प्रमुख रहे। वक्ताओं ने समाज और व्यक्तियों में सकारात्मक सामाजिक एवं व्यवहारिक परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर दिया और युवाओं को इसे जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन केवल अकादमिक चर्चा तक सीमित न रहकर सामाजिक सरोकारों से गहराई से जुड़ने वाला मंच बन गया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और सकारात्मक सोच का विकास करने में सहायक होते हैं और आने वाले समय में भी ऐसे सार्थक आयोजनों को जारी रखा जाएगा।

चित्र स्केचिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

आयोजन

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आगामी 40वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय **परम्परा एवं नवाचार** की थीम पर चित्रकला, स्केचिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल आफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट के प्रभारी डॉ. राज कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को

विश्वविद्यालय की महत्ता के बारे में बताया। और पूरी जानकारी भी दी। वहीं इस पूरे कार्यक्रम का सह संयोजन डॉ. मिठाई लाल एवं तनीषा वधावन ने किया।

इस चित्रकला प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से लगभग 90 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया एवं और अपनी शानदार कला का परिचय भी दिया। कला के माध्यम से सीएसजेएमयू की उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा प्रतियोगिता में भावपूर्ण चित्र स्केचिंग एवं रंगोली निर्मित किए।



स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट में अवधी पाक कला कार्यशाला

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित अवधी पाक कला कार्यशाला का सफल समापन हुआ। स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट में दो दिवसीय अवधी पाक कला एवं आर्ट ऑफ आइसिंग एंड बेकिंग कार्यशाला आयोजित की गई।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की प्रेरणा और मार्गदर्शन में संपन्न इस कार्यशाला ने छात्रों को अवधी व्यंजनों की समृद्ध परंपरा और बेकिंग की नवीन तकनीकों से परिचित कराया। इस प्रतिष्ठित कार्यशाला में लखनऊ से पधारी अवधी पाक कला विशेषज्ञ और सेलिब्रिटी शेफ अलका सिंह तोमर ने शेफ अनीता पासी और शेफ प्रतिमा चौधरी के साथ मिलकर छात्रों को अमूल्य ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। उन्होंने छात्रों को पनीर बेगम बहार, शीर माल, वेज दम बिरयानी और वेज गलौटी



कबाब जैसे मशहूर व्यंजन बनाना सिखाया था। इसके साथ ही शेफ अलका सिंह तोमर ने अपनी विशेष स्वीट डिश ‘मंजूरे नजर’ की विधि भी साझा की, जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यशाला

का उद्देश्य होटल मैनेजमेंट के छात्रों को आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक व्यंजनों से अवगत कराना था, ताकि वे भविष्य में आतिथ्य उद्योग में अपनी पहचान बना सकें।

विशेषज्ञों ने न केवल व्यंजन विधियाँ सिखाईं, बल्कि अवधी और मुगलई पाक कला के इतिहास, महत्व और विभिन्न सामग्रियों के उपयोग पर भी विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने इस अवसर का

भरपूर लाभ उठाया और सीधे प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएँ शांत की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रोफेसर वृष्टि मित्रा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर अंशु यादव, डायरेक्टर इनोवेशन डॉ. शिल्पा कायस्त, असिस्टेंट डीन एकेडमिक डॉ. अंशु सिंह, स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट के डायरेक्टर सौरभ त्रिपाठी, शेफ सिद्धार्थ सिंह सहित विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों की उत्साही भागीदारी और सीखने की ललक की सराहना की।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों को वास्तविक अनुभव प्रदान करती हैं और उन्हें उद्योग की मांगों के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने जोर दिया कि अवधी पाक कला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है।

जेपीएल में संजय मित्तल इलेवन ने मारी बाजी



कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के बीजेएमसी फाइनल ईयर के विद्यार्थियों की ओर से आयोजित जर्नलिस्ट प्रीमियर लीग (JPL) सीज़न-1 में संजय मित्तल इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मार ली।

लड़कों का 10 ओवर का मुकाबला संजय मित्तल इलेवन और निधि मित्तल इलेवन के बीच खेला गया। निधि मित्तल इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 89 रन बनाए। जवाब में संजय मित्तल इलेवन ने सिर्फ 5 ओवर में 92 रन टोककर 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में 23 गेंदों पर 64 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले आयुष कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं महिलाओं का 5 ओवर का मैच भी रोमांचक रहा। संजय मित्तल इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 60 रन बनाए। निधि मित्तल इलेवन महिला टीम 49 रन ही बना सकी। इस



मुकाबले में 17 गेंदों पर 36 रन बनाने वाली महिमा को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस आयोजन में टीम ऑनर संजय मित्तल (मीरा पेंट्स) रहे। वहीं ट्रॉफी स्पॉन्सर शैल शुक्ला (होटल लता कॉन्टिनेंटल के मालिक) थे। जर्सी स्पॉन्सर विजय सोनी (बीआरडी इंटर कॉलेज

और आज़ाद कॉलेज ऑफ एजुकेशन के मैनेजर), श्री कृष्ण दीक्षित (बड़े जी) मौजूद रहे। इसके अलावा किट स्पॉन्सर डेकाथलॉन और मीरा पेंट्स रहे। आयोजन में होटल लता कॉन्टिनेंटल और डेकाथलॉन का भी विशेष सहयोग रहा। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि

जर्नलिस्ट प्रीमियर लीग जैसे खेल आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते हैं। पत्रकारिता विभाग के इस खेल आयोजन में छात्र छात्राओं ने अपना अमूल्य योगदान दिया। जेपीएल ने छात्र छात्राओं को पत्रकारिता के साथ खेल और व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान

विभागाध्यक्ष डॉ॰ विशाल शर्मा, सहायक विभागाध्यक्ष डॉ॰ ओम शंकर गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ॰ दिवाकर अवस्थी, डॉ॰ जितेंद्र डबराल, डॉ॰ रश्मि गौतम, डॉ॰ हरिओम कुमार, प्रेम किशोर शुक्ला, सागर कनौजिया आदि लोग मौजूद रहें।



छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित सप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक- डॉ॰ विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता- डॉ॰ हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक- इशिता कोछर (बीएजेएमसी), पृष्ठ सज्जाकार- हरि ओम तिवारी (एमएजेएमसी) अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकाउंट पर सम्पर्क करें।